03.07.25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी की बहस पर मनन करने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर वादी का वादपत्र स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से लिखाया जाकर सुनाया किया जाएगा। पत्रावली बाद तरतीब तकमील होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(सुनीलकुमार चौहान)
RAS.